

## कडिनी के मरीजों के लिये प्रदेश के नौ ज़िलों में नःशुल्क डायलिसिस की व्यवस्था

### चर्चा में क्यों?

28 नवंबर, 2022 को छत्तीसगढ़ जनसंपर्क वभाग से मली जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर कडिनी के मरीजों के लिये प्रदेश के नौ ज़िलों में नःशुल्क डायलिसिस की व्यवस्था कर दी गई है।

### प्रमुख बदि

- राज्य सरकार की यह सेवा हर वर्ग के बीमार मरीजों को नःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। अब तक प्रदेश में 13 हज़ार से अधिक नःशुल्क डायलिसिस सेशन किये जा चुके हैं।
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मशिन छत्तीसगढ़ द्वारा प्रदेश के नौ ज़िलों दुर्ग, कांकेर, कोरबा, बलिसपुर, जशपुर, सरगुजा, महासमुंद, बीजापुर और राजनांदगाँव में नःशुल्क डायलिसिस की सुवधि प्रदान की जा रही है। इसके लिये जशपुर, दुर्ग और कांकेर ज़िले में पाँच-पाँच, अंबिकापुर और महासमुंद में चार-चार, कोरबा में छह, बीजापुर में तीन और बलिसपुर में चार (समिस मेडिकल कॉलेज में तीन और बलिसपुर कोवडि अस्पताल में एक) मशीन की स्थापना की गई है।
- उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार जनता की सुवधि के लिये स्वास्थ्य सुवधिओं से जुड़ी कई योजनाओं का संचालन कर रही है। इन योजनाओं के माध्यम से आमजनों को सस्ती दर पर दवा और नःशुल्क बेहतर स्वास्थ्य सुवधिएँ उपलब्ध हो रही हैं।
- कडिनी की बीमारी के कारण जनि मरीजों को डायलिसिस कराना होता है उन्हें नज्जी अस्पतालों में एक बार डायलिसिस कराने के लिये एक हज़ार रूपए से 15 हज़ार रुपए तक खर्च करना पड़ता है। इसी को ध्यान में रखकर मुख्यमंत्री ने कडिनी की बीमारी से ग्रसति मरीजों के लिये प्रदेश के नौ ज़िलों में नःशुल्क डायलिसिस की व्यवस्था करवाई है।
- प्रदेश में अब तक इन नौ ज़िला अस्पतालों में 13 हज़ार 798 नःशुल्क डायलिसिस सेशन किये जा चुके हैं। इनमें से दुर्ग ज़िले में 4 हज़ार 885, कोरबा में 4 हज़ार 872, कांकेर में 4 हज़ार 230, बलिसपुर में 3 हज़ार 504, महासमुंद में 2 हज़ार 631, सरगुजा में एक हज़ार 390, बीजापुर में 942 और जशपुर में 675 से अधिक सेशन किये गए हैं।